ओरल(मुँह से ली जाने वाली) फंगल-रोधक दवाएं

फंगल संक्रमण

फंगल संक्रमण आमतौर पर पर्यावरण में मौजूद फफूंद के कारण होता है। संक्रमण अक्सर ऊपरी सतह पर ही होता है और आम तौर पर इसमें नाखून, बाल और त्वचा शामिल होते हैं। फंगल संक्रमण के लक्षण, संक्रमण के प्रकार और शरीर के भीतर के स्थान पर निर्भर होते हैं। सामान्य फंगल संक्रमण के प्रकार और संबंधित लक्षण हैं:

1. एथलीट'स फुट – जोकि आम तौर पर पैर की उँगलियों के बीच की त्वचा को प्रभावित करता है। इसमें सूखी और फटी हुई त्वचा पर फफोले या छीलने के लक्षण हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप संक्रमण वाली जगह पर जोरदार खुजली होती है।
2. नाखून का फंगल संक्रमण – जिसमें पैर की उँगलियों के नाखून या उँगलियों के नाखून मोटे, बेरंग, मुड़े हुए, कमजोर और कभी-कभी भुरभूरे, होने के साथ नाखून टुकड़ों में टूटने लग जाते हैं।
3. गोलकृमि – जिसमें शरीर की त्वचा या सिर पर गोल आकार में लाल चकते पड़ जाते हैं।
4. योनि के छाले – जिससे योनि और बाह्य-जनानांग में जलन और सूजन हो जाती है।

उग्र फंगल संक्रमण कम सामान्य हैं, लेकिन नतीजतन बहुत गंभीर किस्म के फंगल संक्रमण हो सकते हैं। ये ऐसे संक्रमण हैं जोकि शरीर के भीतर ऊतक में होते हैं या किसी एक अंग, जैसे कि मस्तिष्क या फेफड़े में होते हैं।

लोग जिनको मधुमेह या अन्य कोई बीमारी जो उनके कमजोर प्रतिरक्षा तन्त्र के साथ जुड़ी हुई है, उनकी कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण उनको फंगल संक्रमण होने का ज्यादा खतरा है। इसके अलावा, जिन लोगों का पोषण और स्वच्छता का स्तर ख़राब है, त्वचा में अन्तर्रोध को महसूस करते हैं, और गर्म, नम जलवायु वाली जगहों में रहते हैं, ये फंगल संक्रमण को बढ़ाने वाले अन्य कारक हैं।

उपचार

ज्यादातर फंगल संक्रमण त्वचा पर लगाए जाने वाले फंगल-रोधक उपचार से ठीक हो सकते हैं। यद्यपि, अगर संक्रमण बहुत ज्यादा फैला हुआ या गंभीर है, तो ओरल फंगल-रोधक दवाएं लेने की आवश्यकता हो सकती है। इसके अलावा, बीमारी पर नियंत्रण पाने और पुनरावृत्ति को रोकने के लिए, चिकित्सीय उपचार से बेहतर विकल्प है अच्छी व्यक्तिगत स्वच्छता।

अलग-अलग फंगल संक्रमण को लक्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार की बहुत सारी फंगल-रोधक दवाएं उपलब्ध है। फंगल-रोधक दवाओं का चुनाव संक्रमण के प्रकार और मरीज के चिकित्सीय या दवा के इतिहास जैसे कारकों पर निर्भर करता है। इसलिए, किसी भी फंगल-रोधक दवा को लेने से पहले चिकित्सीय सलाह लेना बहुत महत्वपूर्ण होता है।

आमतौर पर उपयोग की जाने वाली फंगल-रोधक दवाएं

ओरल फंगल-रोधक दवाएं सिर्फ पर्चे पर मिलने वाली दवाएं हैं और सिर्फ डॉक्टर के निर्देश और अनुशंसा

के तहत कड़ाई से ली जानी चाहिए। ये ओरल खुराक के रूप में उपलब्ध हैं जैसे कि गोलियां, कैप्सूल, और सस्पेंशन।

ओरल फंगल-रोधक दवाओं को सामान्यत: तीन समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है: एलिलामाइन्स, एज़ोल्स और अन्य फंगल-रोधक।

एलिलामाइन्स और एज़ोल्स अलग तरह की कार्य प्रणाली के द्वारा फंगल कोशिकाओं को मारते हैं, जैसे कि कोशिका भित्ति में किसी तत्व को प्रभावित करके, जिससे कोशिका के भीतर का पदार्थ बाहर निकल जाता है और इस प्रकार कोशिका मृत हो जाती है। एलिलामाइन्स का उदाहरण है टरबिनाफाइन; और एज़ोल्स के उदाहरण में फ्लूकोनाज़ोल और इटराकोनाज़ोल शामिल हैं। दूसरी तरह के फंगल-रोधक जैसे कि ग्रिसोफ्लूविन, फंगल कोशिका की वृद्धि और प्रजनन को रोककर कार्य करते हैं।

आदर्श मामले में, संक्रमित जीव की पहचान होने के बाद फंगल-रोधक उपचार का चयन किया जाना चाहिए, लेकिन अक्सर यह जरूरी होता है कि उपचार को शुरू करने से पहले रोगजनक की वृद्धि और पहचान का पता लगा लिया जाये, खासकर उन मरीजों में जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है जिनमें संक्रमण अक्सर तेजी से विकसित होते हैं।

ओरल फंगल-रोधक दवाओं के सामान्य दुष्प्रभाव

सभी दवाओं की तरह ही, ओरल फंगल-रोधक दवाओं के भी दुष्प्रभाव हैं। ज्यादातर मामलों में, दुष्प्रभाव बहुत ही हल्के होते हैं और थोड़े ही समय के लिए रहते हैं, लेकिन ऐसे मामले दुर्लभ ही हैं जिनमें ज्यादा गंभीर दुष्प्रभाव देखे गए हैं।

आम दुष्प्रभाव जैसे कि:
- अस्वस्थ महसूस करना
- मतली
- पेट में गड़बड़ी या दर्द
- दस्त
- पेट का फूलना
- सिरदर्द
- चक्कर
- बदहजमी

ओरल फंगल-रोधक दवाएं एलर्जी की प्रतिक्रिया (आपके चेहरे, गर्दन या जीभ में सूजन या सांस लेने में कठिनाई) और त्वचा की गंभीर प्रतिक्रिया (जैसे कि त्वचा का छीलना या फफोले का होना) जैसी गंभीर प्रतिक्रियाएं भी पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, दुर्लभ मामलों में, जिगर की क्षति (विशेषकर इट्राकोनाज़ोल के साथ) हो सकती है; और गंभीर जिगर की बीमारी वाले रोगियों को ग्रिसोफुलविन नहीं देनी चाहिए।

ओरल फंगल-रोधक दवाओं की सावधानियां

यकृत की बीमारी वाले मरीजों या किसी अन्य दवा के कारण हुई यकृत की खराबी के इतिहास वाले मरीजों में ओरल फंगल-रोधक दवाओं का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए या फिर सावधानी के साथ

इस्तेमाल करना चाहिए। अगर आप कोई और दवा ले रहें है तो अपने डॉक्टर को सूचित करें, और यकृत की बीमारी के संकेतों को जानें और यदि भूख में कमी, मतली, उल्टी, थकान, पेट में दर्द या मूत्र का गाढ़ा हो जाना, जैसे लक्षण विकसित हों तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

कुछ फंगल-रोधक दवाओं को हृदय या गुर्दे की समस्या वाले मरीजों में सावधानी के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसके अलावा, इनमें से अधिकतर को गंभीर पोरफाइरिया वाले मरीजों को देने से बचना चाहिए, जोकि एक ऐसा अनुवांशिक रोग है जो आपके तंत्रिका तन्त्र या त्वचा या दोनों को प्रभावित कर सकता है।

दूसरे उपचार को लेना, जैसे कि एंटासिड को लेना, ओरल फंगल-रोधक दवाओं के अवशोषण में हस्तक्षेप कर सकता है। इसके अलावा, ओरल फंगल-रोधक दवाएं दूसरे उपचार के प्रभाव को पलट सकती हैं; जैसे कि एस्ट्रोजनस, जोकि हार्मोन्स हैं जो कुछ ओरल गर्भनिरोधक में पाए जाते हैं; और वारफारिन, जोकि एक थक्कारोधक है।

ओरल फंगल-रोधक दवाओं को लेने पर सामान्य सलाह

- अनुशंसित किये गए उपचार को पूरा करें। उपचार को बहुत जल्दी बंद न करें, अन्यथा संक्रमण दोबारा हो सकता है।
- उपचार का समय प्रत्यक्ष रूप से लम्बा हो सकता है और आपको धीरज रखना और डॉक्टर के निर्देश का पालन करना चाहिए।
- अच्छी व्यक्तिगत स्वछता का अभ्यास करें। नहाते समय त्वचा और पैरों को हमेशा अच्छी तरह से साफ़ करें।
- हमेशा शरीर को सूखा रखें, जैसे कि नहाने के बाद शरीर को पूरी तरह से सूखा लें, खासकर पैर की उंगलियों के बीच में से।
- साफ़ और सूखे जूते और सूती जुराबें पहने।
- रोजाना जुराबों को बदले। जुराबों, कपड़ों और तौलियों को नियमित रूप से धोयें।
- तंग अंडरवियर न पहनें। सूती कपड़ों का चुनाव सबसे बेहतर है।
- कभी भी कपड़े, जूते, जुराबें या तौलिये और दूसरी निजी चीजें जैसे कि कंघे, नेल-कटर, बालों की सज्जा के सामान, टोपियाँ, और तकिये किसी और के साथ साँझा न करें।
- संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए हमेशा रोगग्रस्त त्वचा को छूने के बाद हाथों को धो लें।

अपने डॉक्टर के साथ संवाद

- अपने डॉक्टर के साथ बेहतरीन उपचार के विकल्प के लिए संवाद करें। आपका डॉक्टर आपके लिए सबसे उचित दवा और खुराक निर्धारित करेगा।
- कुछ फंगल-रोधक दवाएं दूसरी दवाओं पर परस्पर प्रभाव डाल सकती हैं। जो भी दवा आप ले रहें हैं उसके बारे में अपने डॉक्टर को बताएं, जिसमे काउंटर से ली जानी वाली दवाएं भी शामिल हैं, जिससे आपका डॉक्टर यह निर्णय ले सके कि कौन सी फंगल-रोधक दवा को लेना आपके लिए सुरक्षित है।
- अपने डॉक्टर को अपने चिकित्सीय इतिहास के बारे में बताएं, क्योंकि कुछ बीमारियों में खास एहतियात बरतने की जरूरत हो सकती है।
- अपने डॉक्टर को सूचित करें, यदि आप गर्भवती हैं या स्तनपान करा रही हैं क्योंकि ज्यादातर फंगल-रोधक गर्भवती या स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को नहीं लेने चाहिए।
- यदि आप किन्हीं लक्षणों या दुष्प्रभावों का अनुभव करें जो हो सकता है फंगल-रोधक दवाएं लेने से

हुए हों तो तुरंत चिकित्सा परामर्श लें।
- अपने डॉक्टर के परामर्श के अनुसार नियमित फॉलो-अप लें यदि आपको दीर्घ-अवधि तक फंगल-रोधक लेने की जरूरत है।
- यदि आपके लक्षण बिगड़ गए हैं या आप जो उपचार ले रहे हैं उसको लेकर चिंता है तो चिकित्सीय परामर्श लें।

ओरल फंगल-रोधक दवाओं का भंडारण

ओरल फंगल-रोधक दवाओं को ठंडी और सूखी जगह पर रखना चाहिए। जब तक लेबल पर निर्दिष्ट न हो, दवाओं को रेफ्रीजरेटर में संग्रहित नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा, बच्चों द्वारा दवाएँ निगले जाने के खतरे से बचने के लिए दवाओं को बच्चों की पहुँच से दूर उचित तरीके से रखा जाना चाहिए।

अभिस्वीकृति: औषधि कार्यालय व्यवसायिक विकास और गुणवत्ता आश्वासन (PD&QA) को इस लेख की तैयारी में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता है।

दवा कार्यालय
स्वास्थ्य विभाग
जनवरी 2021